बर्षः- 06
अंकः- 07
मुरादाबाद
(Tuesday)
28 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पढ़ाई, लिखाई और दवाई हमारी प्राथमिकता, PM ने बैरकपुर से बंगाल को दी पांच गारंटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में ये उनकी अंतिम जनसभा है। पीएम मोदी ने ऐतिहासिक तथ्यों का जिक्र करते हुए कहा कि वे चार मई के बाद एक बार फिर बंगाल आएंगे। उन्होंने दावा किया कि इस बार बंगाल में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। आज प्रचार का अंतिम दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा का प्रचार करने बैरकपुर पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, 1857 में इसी बैरकपुर की धरती ने आजादी की पहली लड़ाई को ताकत दी थी। यही धरती आज बंगाल में परिवर्तन की राह को और प्रशस्त कर रही है।% भाजपा के चुनावी नारे और बंगाल में बदलाव की बयार का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने रैली में कहा कि बंगाल में हर ओर एक ही नारा सुनाई दे रहा है पलटनो दरकार, चाई बीजेपी सरकार। यानी जनता बदलाव चाहती है और भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी है।रैली को चुनाव प्रचार की अंतिम सभा बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूरे राज्य में लोगों का मूड देखकर उन्हें विश्वास है कि 4 मई को नतीजे आने के बाद भाजपा की सरकार बनेगी और वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने फिर बंगाल आएंगे।उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान मिले जनसमर्थन का जिक्र करते हुए कहा कि रैलियों और रोड शो के दौरान लोगों द्वारा दिए गए संदेश, पत्र और चित्र उनके लिए बेहद खास हैं। वह रात में समय निकालकर इन भावनाओं को समझते हैं और लोगों के संदेशों को पढ़ते हैं। अपने लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह पिछले कई दशकों से देशभर में लगातार काम कर रहे हैं और पार्टी द्वारा सौंपी गई हर जिम्मेदारी को निभाते आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता ही उनका परिवार है और उनके बीच रहकर उन्हें सुकून मिलता है।

पीएम मोदी ने दावा किया कि राज्य में बदलाव की लहर साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की धरती से उनका जुड़ाव बेहद खास है और यहां के अनुभवों को वह अपने जीवन का आशीर्वाद मानते हैं। उनके अनुसार, जिस तरह जनता बड़ी संख्या में सामने आ रही है, उससे स्पष्ट है कि बैरकपुर समेत पूरा बंगाल बदलाव के लिए तैयार खड़ा है। पीएम मोदी ने अपने चुनावी रोड शो और रैलियों को तीर्थ यात्रा जैसा अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और लगातार कार्यक्रमों के बावजूद उन्हें थकान महसूस नहीं हुई, क्योंकि लोगों का उत्साह उन्हें लगातार ऊर्जा देता रहा।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी दूर-दूर तक लोगों की भीड़ लगी रहती थी, जिसे देखकर वह फिर से पूरे जोश के साथ उनके बीच पहुंच जाते थे।

उन्होंने यह भी कहा कि मां काली के भक्तों के बीच जाने से उन्हें विशेष ऊर्जा मिलती रही।पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता के लिए पांच अहम गारंटियों का एलान किया। उन्होंने कहा कि ये वादे बंगाल के विकास और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर किए गए हैं। पीएम मोदी की पहली गारंटी के तहत रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों को बैंक के जरिए आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि उनका कारोबार मजबूत हो सके। दूसरी गारंटी में उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकारी भर्तियां तय समयसीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएंगी।तीसरी गारंटी में रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को सीधे नियुक्ति पत्र देने की बात कही गई है। वहीं चौथी गारंटी के तहत राज्य में सातवें वेतन आयोग को तुरंत लागू करने का वादा किया गया। पांचवीं और अहम गारंटी में पीएम मोदी ने कहा कि राज्य से पलायन रोकने के लिए गांवों में 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि लोगों को अपने ही क्षेत्र में काम मिल सके। रैली से पहले पीएम मोदी ने कोलकाता के ऐतिहासिक थंथानिया कालीबाड़ी मंदिर में पूजा-अर्चना कर मां काली का आशीर्वाद भी लिया। यह मंदिर 300 साल से अधिक पुराना और श्रद्धालुओं के बीच बेहद आस्था का केंद्र माना जाता है। इस सीट पर भाजपा उम्मीदवार कौस्तव बागची, तृणमूल कांग्रेस के मौजूदा विधायक राज (राजू) चक्रवर्ती और सीपीआई(एम) के सुमन रंजन बंद्योपाध्याय के बीच त्रिकोणीय मुकाबला माना जा रहा है। बैरकपुर विधानसभा सीट उत्तर 24 परगना जिले में स्थित है और यहां दूसरे चरण में 29 अप्रैल को मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बंगाल में तृणमूल बनाम कांग्रेस- राहुल के बाद उदित राज ने CM ममता को घेरा, पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमले के आरोप

बंगाल में चुनावी माहौल के बीच बढ़ते आरोप-प्रत्यारोप और हिंसा के आरोपों ने सियासी तनाव को और बढ़ा दिया है। अब सभी की नजर आगामी मतदान और चुनाव परिणामों पर टिकी है, जो राज्य की राजनीति की दिशा तय करेंगे।पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता उदित राज ने राज्य की मौजूदा स्थिति के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि राज्य में विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है।उदित राज ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को राजनीतिक गतिविधियां करने से रोका जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कार्यकर्ता पार्टी का झंडा लगाने की कोशिश करते हैं, तब भी उन पर हमला किया जाता है। उनके मुताबिक, यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी एक कार्यकर्ता की मौत को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या की निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र पर हमला बताया। दल से जुड़े लोगों द्वारा की गई है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।चुनाव के बीच बढ़ा तनाव- पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में भारी मतदान दर्ज किया गया था

गाजीपुर कांड को लेकर अखिलेश ने योगी सरकार पर साधा निशाना, बोले- प्रदेश में कहीं भी महिलाएं सुरक्षित नहीं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गाजीपुर कांड को लेकर प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधा। वहीं, राजनीति में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के मामले में कहा कि केंद्र सरकार को इसे तत्काल लागू करना चाहिए।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गाजीपुर में एक नाबालिग लड़की की मौत मामले पर कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था खराब है और कहीं भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़िता के परिजनों को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाएगी। वहीं, महिलाओं को राजनीति में 33 फीसदी आरक्षण देने के मामले पर उन्होंने कहा कि महिलाओं को आरक्षण देने का बिल तो संसद में कबका पास हो चुका है। सरकार को तत्काल इसे लागू कर देना चाहिए लेकिन मोदी सरकार खुद महिलाओं को आरक्षण नहीं देना चाहती है।गाजीपुर मामले पर यूपी सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा था कि सपा के लोग माहौल खराब करने के लिए गाजीपुर जा रहे हैं। वहां पर सपा के 15 लोगों को जाने की अनुमति दी गई थी पर 250 लोग पहुंच गए। वहीं, कांग्रेस का भी एक प्रतिनिधिमंडल गाजीपुर जाएगा और मामले की रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को सौंपेगा।

पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने पर मंत्री राजभर ने दिया बड़ा बयान, चुनाव को लेकर भी की टिप्पणी

यूपी के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने प्रदेश में पंचायत चुनाव कराने और उनके कार्यकाल को बढ़ाने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने पंचायत चुनाव को लेकर कई सवालों के जवाब दिए। यूपी के पंचायती राज मंत्री और सुल्तानपुर जिले के प्रभारी ओम प्रकाश राजभर ने पंचायत चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। जिले में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। समय पर चुनाव नहीं हो पाने के आसार पर उन्होंने साफ किया कि कोर्ट के आदेश के अनुसार ही प्रशासक नियुक्त किए जाएंगे या फिर पंचायत का कार्यकाल बढ़ाया जाएगा।नारी शक्ति वंदन बिल गिरने के बाद जिले में पहुंचे पंचायती राज मंत्री सोमवार को जिला पंचायत सभागार में मीडिया से बात कर रहे थे। इसके बाद वह भाजपा महिला मोर्चा की ओर से नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन व कांग्रेस और सपा के खिलाफ आयोजित रैली में हिस्सा लेंगे। विपक्ष ने महिलाओं को आरक्षण देने में लगाया अड़ंगा- राजभर ने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना परिसीमन करके महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की थी पर विपक्ष ने इसमें अड़ंगा लगा दिया। सपा-कांग्रेस की मंशा ही नहीं है कि देश की महिलाओं को अधिकार मिले। देश की आबादी जब 68 करोड़ थी तो उसके अनुसार लोकसभा में 545 सीटों का निर्धारण किया गया। 2011 को हुई जनगणना के अनुसार, सीटों की संख्या 815 होनी चाहिए पर विपक्ष ने सरकार का साथ नहीं दिया जिससे बिल लोकसभा में गिर गया। विपक्ष नहीं चाहता कि राजनीति में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिले। कांग्रेस ने 30 साल से इस बिल को लटका कर रखा है अब जब मोदी सरकार इस पर कार्रवाई कर रही है तो विपक्ष अड़ंगा डाल रहा है। राजभर ने कहा कि विपक्ष राजनीति में महिलाओं के आरक्षण का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को नहीं देना चाहता इसलिए विरोध कर रहा था।

बंगाल में गरजे CM योगी: दीदी सड़कों पर नमाज पढ़वाती हैं, हिंदू त्योहारों पर पाबंदी, ममता पर तुष्टीकरण का आरोप

पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने ममता बनर्जी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य में हिंदू त्योहारों पर प्रतिबंध और तुष्टीकरण की राजनीति हो रही है।पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले सियासी माहौल और गर्म हो गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुगली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी सरकार पर तीखे आरोप लगाए। सीएम योगी ने कहा कि बंगाल अब बदलाव चाहता है और टीएमसी की राजनीति तुष्टिकरण पर आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में घुसपैठ को बढ़ावा दिया जा रहा है और कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो चुकी है।हिंदू त्योहारों पर रोक और तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण में कहा बंगाल की डेमोक्रेसी को बदला जा रहा है। यहां जय श्री राम बोलने पर प्रतिबंध लगाया जाता है, मां दुर्गा पूजा और मां दुर्गा पूजा विसर्जन की मूर्ति विसर्जन के शोभा यात्रा को प्रतिबंधित किया जाता है।

लेकिन ममता दीदी सड़कों पर नमाज पढ़वाती हैं और इफ्तारी की दावत कराती हैं। कोई भी हिंदू पर्व-त्योहार होने पर कर्फ्यू रहता है, सरेआम हत्या होती है,

लव और लैंड जिहाद की घटनाएं घटित हो रही हैं, लेकिन टीएमसी मौन है।%सीएम योगी ने अपने भाषण में कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद टीएमसी में घबराहट है और अब जनता बदलाव के मूड में है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव परिणामों के बाद बंगाल में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिलेगा।

ममता बनर्जी ने किया जीत का दावा: बोलीं- मां माटी मानुष की लहर, अब सिर्फ वक्त का इंतजार

ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले दावा किया कि उनकी पार्टी की जीत तय है और यह सिर्फ समय की बात है। उन्होंने पदयात्राओं व जनसभाओं में मिले भारी जनसमर्थन का जिक्र करते हुए विपक्ष पर विभाजनकारी राजनीति का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी की जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि मां, माटी, मानुष की जीत अब भविष्यवाणी नहीं, बल्कि सिर्फ समय की बात है। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित पदयात्राओं और जनसभाओं में आम लोगों का जबरदस्त उत्साह, स्नेह और भावनात्मक समर्थन देखकर वह बेहद प्रभावित हुई हैं। उन्होंने लिखा कि यह रिश्ता वर्षों से हर चुनौती के समय जनता के साथ खड़े रहने से बना है। बंगाल की पहचान पर दिया जोर

ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सदियों से सौहार्द, संस्कृति और सभ्यतागत गौरव का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र धरती पर उन विभाजनकारी और विनाशकारी ताकतों के लिए जगह नहीं , जो बंगाल को उसके अधिकारों से वंचित रखना चाहती हैं। ऐसी ताकतें बंगाल की विरासत को नुकसान पहुंचाना चाहती हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता की लालसा में जनता के सम्मान से खिलवाड़ करने वालों को बंगाल की जागरूक और एकजुट जनता लोकतांत्रिक जवाब देगी। विकास कार्यों का भी किया जिक्र- मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार के विकास कार्य राज्य के हर कोने तक पहुंचे हैं

संपादकीय Editorial

New Accounts to Increase Revenue

In an effort to increase revenue, the Himachal government has opened several accounts, and as a result, the Dak Bungalows, which were once freeloaders, are now gaining financial respectability. In this context, select rooms in Himachal Bhawan, Sadan, and Circuit Houses have now been put on the new rate burner. If accommodation rates in Circuit House rooms, other than those in Delhi, Chandigarh, and Shimla, change, a carpet that costs twelve hundred rupees will eventually cost four thousand rupees for a night's stay. Although this decision has not yet been included in the list for various reasons, the implementation of this wish will increase the cost of government accommodation. After all, if the allocation of classified rooms from Dak Bungalows to Circuit Houses, and beyond, Himachal Sadan and Bhawan, now falls prey to the lure of new businesses, expectations will also rise. Himachal's Dak Bungalow culture is a culture of prestige, authority, access, and the influence of power, which blossoms from time to time. After carefully evaluating the art of rest house construction within the role of every department in the state, the situation has reached a point where all these properties are becoming unprofitable and fundamentally inefficient. Even if they are accepted as part of the state's hospitality, the current situation will have to be rectified, otherwise, a trend of properties being exploited by one or another influence has begun. The state has nearly two thousand dak bungalows, circuit houses, halls, and buildings, but their management structure is fragmented. Almost every department has built rest houses within its own financial resources or budgetary resources, but no permanent management has been developed for their maintenance. Consequently, rest houses have proven to be merely a wasteful expenditure for departmental performance. Their justification and contribution are shrouded in doubt, so who would consider the uniformity of their operations? While the formal decisions to increase rates will have an impact, the system now needs to be streamlined and streamlined. The term "rest house" dates back to the British period, symbolizing hospitality with abundant evidence of VIP status. This system has become more than just a place to rest overnight; it has become a form of government courtesy, a means of demonstrating influence. At a minimum, the chain of rest houses should be integrated with a system of fiscal discipline, ensuring financial accountability, proper management, and transparent booking. All dak bungalows should be brought under one roof, meaning the number of rooms in a combined rest house should be determined based on the city's status and administrative role. In a city like Hamirpur, if a combined rest house with fifty rooms is built and handed over to the Tourism Corporation, there will be no questions about its appropriateness or criticism of its management. This way, the various dak bungalows scattered throughout the city can be utilized for other purposes or offices. In addition to the Himachal Bhawans and Sadans in Delhi and Chandigarh, dak bungalows with at least fifty to hundred rooms should be operated for the people of Himachal Pradesh under better management. If a complex of at least a hundred rooms were built in a place like Haridwar for Himachali travelers or tourists, the seat of faith would be comfortably laid out through the Tourism Corporation. In such a situation, if the government wants to increase the rent of Himachal's Sadan, Bhawan, and Circuit House, then this could be possible for every rest house based on classification and facilities. Otherwise, even HPTDC hotels are currently lagging behind the competition.

It's time to reduce dependence on the Strait of Hormuz.

India's true strategic independence is possible only when our development is based on indigenous renewable energy rather than the uncertainty of foreign oil. Expanding strategic options and achieving energy self-reliance will pave the way for India's establishment as a decisive power on the global stage. The Strait of Hormuz handles one-third of global oil trade. India must reduce its dependence on the Strait of Hormuz for energy security. The Chabahar port and renewable energy are important options. The Strait of Hormuz, which has become a power battleground between the US and Iran, has raised serious questions about global energy security and the trade system. Nearly one-third of the world's maritime oil trade passes through the narrow Strait of Hormuz. Any tension arising here directly destabilizes global oil and gas prices and supplies. The entire industrial machinery of both developed and developing countries depends on the security of this Strait. Demand for oil and gas is also increasing in India, which is becoming an economic power. If this route is completely disrupted, crude oil prices could surpass $150 per barrel, potentially triggering a global recession. Therefore, reducing India's dependence on the Strait of Hormuz is no longer an option, but an imperative. The Hormuz crisis is a clear message for India that excessive dependence on a single geographical route is dangerous to national security and economic sovereignty. The surge in oil prices will increase India's import bill, exacerbating the current account deficit, further weakening the rupee. The issue is not limited to oil; it also concerns the safety of millions of Indian expatriates living in Gulf countries and the foreign exchange flows from there, which could suddenly decline or even cease in the event of a major military conflict. The Hormuz dispute is a reminder to India that it must diversify its energy and trade routes. Instead of relying on the Strait of Hormuz, India must make serious efforts to develop its own alternative routes and security mechanisms. The Strait of Hormuz is crucial because no existing route can match its capacity (approximately 21 million barrels of oil per day). Saudi Arabia's East-West Pipeline, which connects the Persian Gulf directly to the Red Sea, has a capacity of only five million barrels per day. The United Arab Emirates' (UAE) Dhabi Crude Oil Pipeline bypasses Hormuz and transports oil to the port of Fujairah (Gulf of Oman), but its capacity is also limited to 1.5 million barrels per day. Iraq's Turkish pipeline also does not always operate at full capacity due to technical constraints and regional politics. The Cape of Good Hope route is too long, increasing the time and cost of cargo transportation significantly. Construction of the India-Middle East-Europe Economic Corridor has not even begun. The project is still in the planning and coordination stages. Israel-Hamas tensions have slowed the project's progress. Even all alternatives combined cannot meet the Strait of Hormuz's shortfall by more than 40 percent. Amidst the geopolitical turmoil, India is pursuing a multi-pronged plan to ensure its energy security and strategic autonomy, aiming to reduce energy dependence and establish the country as a global economic power. Iran's Chabahar port is central to this strategy. It provides India direct access to Afghanistan and Central Asia, bypassing Pakistan. By making Chabahar a gateway to the 7,200-km-long International North-South Transport Corridor, India can not only shorten its distance to Russia and Europe but also make its exports more competitive in the global market. Currently, most of India's trade is routed through the Suez Canal, which is lengthy and expensive. This corridor significantly reduces both distance and cost and can strengthen Iran's access to Central Asia's energy resources. To this end, India can provide technical and financial assistance to Iran to expedite the completion of the Chabahar-Zahedan rail link. The Chabahar-Zahedan rail project is approximately 628 km long. Along with rail connectivity, this port could prove to be a game-changer for India. As a new energy security option, India is also working on a deep-sea gas pipeline to Oman. This pipeline not only bypasses the Strait of Hormuz but also Pakistan. Being deep under the sea, the pipeline will be relatively safe from war or maritime tensions and will provide a source of uninterrupted energy supply for India. To become an economic superpower, India must also emphasize internal reforms. Self-reliance in the National Green Hydrogen Mission, solar, and wind energy will completely free us from the trap of global instability. India's true strategic independence is possible only when our development is based on indigenous renewable energy rather than the uncertainty of foreign oil. Expanding strategic options and achieving self-reliance in energy will pave the way for India to establish itself as a decisive power on the global stage.

Railways on the Path to Modernization

Rail and weld breakage incidents have been reduced by 90 percent, and approximately 1,800 track machines are operational. The Railways has also launched a new online system, called the Track Management System (TMS). 55,000 km of tracks have been renovated, improving safety. Advanced inspections have reduced rail breakage incidents by 90%. Track speeds exceeding 110 km/h have been reduced by 80%. More than 25,000 trains run daily in India. These trains carry over 20 million passengers daily and transport large quantities of coal, iron ore, grain, steel, cement, and other commodities across a rail network of over 137,000 km. The foundation of this system is the rail track. When the track is in good condition, trains can safely run at higher speeds. When the track is damaged, it results in speed restrictions, delays, and safety risks. A crack in the rail, a loose component, or a break in the ballast layer can affect train speed.

Recognizing the importance of rail tracks, Indian Railways has embarked on a comprehensive modernization program over the past few years. This work has included track renewal using modern machinery, advanced testing and inspection methods, mechanized maintenance, and safety fencing. These efforts have significantly transformed the rail network.

Since 2014, approximately 55,000 km of track has been renewed, improving safety and travel quality and reducing the need for frequent repairs. Approximately 44,000 km of track has been laid with 260-meter-long rail panels. Longer panels mean fewer joints, making train movement smoother and safer. More than 80,000 km of track now uses reinforced 60-kilogram rails, which ensure greater load capacity and faster speeds. While laying strong rail tracks is essential, detecting defects early is also crucial. Ultrasonic testing is used to detect hidden cracks. Approximately 3.62 million km of track and 22.5 million welds have been inspected. This has reduced rail and weld breakage by approximately 90 percent. This means that instead of repairing defects after they occur, they are detected and prevented. Other modern testing techniques are also being used on the railways, including magnetic testing for new welds, new machines for flash-butt welds, and a GPS-enabled system that measures train travel quality and pinpoints the exact location of a defective piece of track. The number of track machines on Indian Railways is projected to increase from 748 in 2014 to 1,785 by 2026. These machines perform track repairs, ballast cleaning, and other tasks more quickly, efficiently, and more uniformly than manual work. Machines have made a significant difference in cleaning the layer of ballast beneath the tracks. This ballast helps remove water, reduce vibrations, and maintain track strength. Over 100,000 km of rail infrastructure has been ground to remove defects on the track surface. This has made train journeys more comfortable and safe. With the number of trains increasing every year, the time available for maintenance is decreasing. Machines enable more work to be done in less time without disrupting train services. Safety is crucial not only on tracks but also where trains change lines. Therefore, Indian Railways has implemented several other improvements in addition to track replacement. Safety fencing has been installed along approximately 17,500 km, especially at locations where trains travel at speeds exceeding 110 km per hour. This reduces incidents of people and animals crossing the tracks. Where trains cross from one line to another, 36,000 new and stronger switches have been installed, and 7,500 special crossings have been installed. These last longer and allow trains to pass without jolts. Since 2019, wider and heavier sleepers have been installed, making the tracks more robust, especially in summer. Stronger sleepers have also been installed on bridges, and longer welded rails have been laid within yards. This has strengthened the entire railway network. The most obvious impact of track modernization is the increased train speed. The share of track capable of speeds of 130 km/h or more has increased from just 6 percent previously to nearly 23 percent. Similarly, track capable of speeds of 110 km/h or more has now reached 80 percent, up from only 40 percent previously. These improvements are showing their impact. In 2014-15, there were 135 major rail accidents, but by 2025-26, this number had dropped to just 16. Twelve years ago, 60 percent of India's rail tracks were limited to speeds below 110 km/h. Rail failures were common, and most maintenance was done manually. Now, about 80 percent of the rail network can handle speeds of 110 km/h or more. Rail and weld failures have been reduced by 90 percent, and approximately 1,800 track machines are operational. The Railways has also launched a new online system, called the Track Management System (TMS). It brings together all information related to track inspection, train travel quality, and track condition in one place. This allows the Railways to quickly identify where work is needed. is needed. These changes have had a major impact on the millions of passengers and businesses that rely on rail freight. Journey times have decreased and the railway network is more reliable than ever. Progress so far demonstrates how significant change is possible with continued hard work and investment.

मुरादाबाद में खौफनाक वारदात: भाई ने नाबालिग बहन को गला रेतकर मार डाला, आंगन में पड़ी थी लाश, छत पर सोया आरोपी

मुरादाबाद के कुंदरकी क्षेत्र के फरहेदी खुर्द गांव में भाई ने अपनी नाबालिग बहन की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। घटना के समय परिवार सगाई समारोह में गया हुआ था। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मुरादाबाद के कुंदरकी क्षेत्र में सनसनीखेज घटना सामने आई है। घर में अकेली नाबालिग बहन की उसके ही भाई ने धारदार हथियार से गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी छत पर सोता मिला। उसका पूरा परिवार सगाई समारोह में गया हुआ था। घटना से पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने बताया कि भारत सिंह अपनी पत्नी कुसुम और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मझोला क्षेत्र के मीरापुर में अपनी बहन की बेटी की सगाई में शामिल होने गए थे। घर में उनका बेटा विक्की और नाबालिग बेटी रीता ही मौजूद थी। देर रात जब परिवार सगाई समारोह से वापस लौटा तो घर का नजारा देखकर सभी के होश उड़ गए। आंगन में रीता का खून से लथपथ शव पड़ा था। उसकी गला रेतकर हत्या की गई थी। इसे देख परिजनों में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। घर की छत पर विक्की सोता हुआ मिला। उसके कपड़ों पर खून के छींटे लगे थे, जिससे शक और गहरा गया। पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। शक के आधार पर विक्की को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। शुरुआत में उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की और हत्या से इनकार करता रहा। जब उससे कड़ाई से पूछताछ की गई तो वह टूट गया और उसने बहन की हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त धारदार हथियार भी बरामद कर लिया है।

एसपी देहात कुंवर आकाश और सीओ अशोक कुमार भी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। थाना प्रभारी जसपाल सिंह ने बताया कि युवती के पिता भारत सिंह की तहरीर पर आरोपी विक्की के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। इस घटना के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और लोग इस खौफनाक वारदात को लेकर स्तब्ध हैं।

लू से झुलसने लगी सेहत, मुरादाबाद में रोज 30 मरीज भर्ती, बच्चों में डायरिया तो बड़ों को हीट स्ट्रोक का खतरा

भीषण गर्मी के चलते लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ने लगा है। मुरादाबाद के जिला अस्पताल में रोजाना डायरिया, बुखार और हीट स्ट्रोक के 30 से अधिक मरीज भर्ती हो रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार बढ़ती गर्मी के कारण बच्चे और बड़े दोनों में असर पड़ रहा है। हवा इतनी गर्म कि शरीर झुलस जाए। तपिश ऐसी कि सिर चकरा जाए। मौसम की इस तल्खी से सेहत झुलसने लगी है। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में हर दिन डायरिया और बुखार के 30 से ज्यादा मरीज भर्ती हो रहे हैं। रविवार को चार घंटे में 12 मरीज भर्ती किए। इसमें उल्टी दस्त, हीट स्ट्रोक और बुखार के मरीज शामिल रहे। रविवार को अधिकतम तापतान 41 डिग्री के पार रहा। ऐसे मौसम में घर से बाहर निकले वाले छोटे-बड़ों की लापरवाही अस्पताल का रास्ता दिखाने के लिए काफी है। डाक्टरों के मुताबिक बढ़ती तपिश भी गर्मी किसी भी सेहत बिगाड़ सकती है। डायरिया, चिनक पाक्स, हीट स्ट्रोक, हाईग्रेड फीवर, हाइपर पाइरेक्सिया के मरीज बढ़ रहे हैं। बच्चे तो बच्चे बड़े भी डायरिया की जद में हैं। बच्चे इसका असर जिला अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में देखने को मिल रहा है। यहां औसतन रोजाना 80 से 85 मरीज भर्ती होने पहुंचे हैं। इन दिनों 30 से 40 मरीज ऐसे होते हैं, जिन्हें उल्टी दस्त, बुखार, हीट स्ट्रोक, बुखार पेट दर्द की शिकायत होती है। रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मनीषा (1), चांदनी (18), पूनम (30), सिद्धि (13), अमीर अहमद (57) समेत 12 मरीज भर्ती किए गए। सभी को उल्टी दस्त, बुखार और हीट स्ट्रोक की शिकायत रही।

लू के लक्षण शरीर का तापमान बढ़ना, पसीना न आना सिर दर्द होना या सिर का भारीपन महसूस होना त्वचा का सूखा व लाल होना उल्टी-दस्त होना बेहाश हो जाना लू से बचाव मरीज को ठंडे कमरे में रखें शरीर को पानी या बर्फ से स्पंज करें तत्काल डाक्टर के पास ले जाएं सलाह- दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक बाहर जाने से बचें पूरे शरीर को ढक कर ही बाहर जाएं प्यास न लगे तब भी पानी पीते रहें मौसमी फलों का सेवन अधिक करें दिन में कई बार लिक्विड आहार लें इस मौसम में डायरिया, बुखार, हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। रोजाना जिला अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों में आधे डायरिया व बुखार के होते हैं। - डॉ. संगीता गुप्ता, एसआईसी, जिला अस्पताल

निर्यात उत्पादों में पीतल से किनारा, पांच साल में 20 गुना बढ़ीं लकड़ी के हस्तशिल्प की इकाइयां

पीतल, एल्युमिनियम और स्टील की बढ़ती कीमतों के चलते मुरादाबाद में हस्तशिल्प उद्योग का रुख तेजी से बदला है। निर्यातकों ने महंगे धातु उत्पादों की जगह लकड़ी के हस्तशिल्प को अपनाना शुरू कर दिया है। पांच साल में लकड़ी के हस्तशिल्प इकाइयों की संख्या 20 से बढ़कर करीब 200 हो गई है।पीतल, एल्युमिनियम और स्टील की कुछ वर्षों में हस्तशिल्प उत्पादों बढ़ती कीमतों की वजह से पीतल नगरी ने महंगाई की मार देखकर का ट्रेंड बदला है। धातु के कच्चे माल की पकड़ी जो दिनोंदिन मजबूत निर्यातकों ने लकड़ी के हस्तशिल्प की राह लकड़ी के हस्तशिल्प की होती चली गई। पांच साल में मुरादाबाद में मेटल हैंडीक्राफ्ट की हिस्सेदारी इकाइयां 20 गुना बढ़ गई हैं।पीतलनगरी में में काफी कम हो गई है। शुरुआत अब लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद की तुलना माल की बढ़ती महंगाई के में यह बदलाव निर्यातकों ने धातु के कच्चे चमक बनाए रखने की चुनौती कारण किया था, जबकि पीतल उत्पादों पर दूर होने लगे।इस बीच लकड़ी के कारण कई देशों के खरीदार भी पीतल से अमेरिका, यूरोप, आस्ट्रेलिया, के हस्तशिल्प की कोशिशें रंग लाईं तो मिलने लगे। यही वजह है कि जार्डन से इस तरह के प्रोडेक्ट के अच्छे ऑर्डर रही है। दि हैंडीक्राफ्ट अब लकड़ी पर मुरादाबादी नक्काशी निखर ने बताया कि जिले में साल एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के सचिव सतपाल वाली करीब 20 फैक्टरियां थीं। 2020 में लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद बनाने 200 के आसपास पहुंच गई है। लेकिन वर्ष 2026 तक इनकी संख्या करीब जिन्होंने पीतल के उत्पाद का इसमें 50 से अधिक ऐसी भी फैक्टरियां हैं का ही काम पकड़ा है। जिले के काम छोड़कर लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पादों और लोहे के उत्पादों के 70 प्रतिशत निर्यातकों ने एल्युमिनियम, स्टील कर दिया है। साल 2020 से मुकाबले लकड़ी उत्पादों को तरजीह देना शुरू अब तक पीतल और एल्युमिनियम की कीमत दोगुनी- निर्यातकों के मुताबिक वर्ष 2020 में पीतल के कच्चे माल की कीमत 450 रुपये प्रति किलो थी। अब कीमत 870 रुपये प्रति किलो हो गई है। 2020 में एल्युमिनियम की कीमत 150 रुपये प्रति किलो और आज 355 रुपये प्रति किलो है। इसी तरह 2020 में स्टील की कीमत 150 रुपये प्रति किलो और इस वक्त 185 रुपये प्रति किलो है। मैंने लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद से कारोबार शुरू किया। पीतल और एल्युमिनियम की अपेक्षा लकड़ी के मेटेरियल सस्ते मिल जाते हैं। 500 से 600 रुपये की कीमत में लकड़ी का छोटा सामान बनकर तैयार हो जाता है। लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद की मांग अमेरिका, यूरोप समेत अन्य देशों में अधिक है। -शिरीष अग्रवाल, निर्यातक व एमडी, सैफरन टोंस , मेरे पास पहले पीतल के हस्तशिल्प उत्पादों का कारोबार था। कच्चे माल की कीमतें दिन प्रतिदिन बढ़ती गईं और आर्डर भी कम मिलने लगे। पांच साल से लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद का कारोबार कर रहा हूं। अच्छे आर्डर मिल रहे हैं। हम सभी उत्पाद शीशम के बनाते हैं। - हमजा नाजिम, निर्यातक व एमडी, क्वालिटी क्राफ्ट आई, एनसी

संक्षिप्त समाचार

मायानगर आवास समिति की बैलेंस शीट में भी गड़बड़ियां, जमीन घोटाले की एसआईटी जांच भी ठंडी

मायानगर सहकारी आवास समिति की बैलेंस शीट में गंभीर गड़बड़ियां सामने आई हैं। दस्तावेजों में काटछांट और संशोधन पाए गए हैं। वर्ष 2015 से हुए भुगतान और निर्माण से जुड़े मामलों में पूर्व उपाध्यक्ष और कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी किया गया है।

मायानगर सहकारी आवास समिति की बैलेंस शीट में भी गड़बड़ियां मिली हैं। अब समिति से जुड़े विनायक अपार्टमेंट का भी मूल्यांकन स्थानीय एजेंसी से कराया जाएगा। ऑडिट के बाद ही समिति की पूरी गड़बड़ियों की रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाएगी। मायानगर सहकारी आवास समिति की बैलेंस शीट की जांच ऑडिट टीम कर रही है।इसमें कई स्थानों पर अक्षरों और अंकों को काटकर दूसरा शब्द लिखा गया है। समिति की अंतरिम टीम का मानना है कि बैलेंस शीट में बुद्धि विहार स्थित विनायक अपार्टमेंट के लेनदेन का ब्यूरो दर्ज है। 2015 से अपार्टमेंट के निर्माण का भुगतान समिति के माध्यम से हुआ है। इस मामले में अनियमितता प्रकाश में आने पर समिति के पूर्व उपाध्यक्ष और कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी किया गया है।अब सिटी मजिस्ट्रेट के अधीन काम कर रही अंतरिम टीम ने विनायक अपार्टमेंट का मूल्यांकन करने के लिए शहर की एक एजेंसी को बुलाया है। मूल्यांकन के बाद कार्यदायी संस्था के जवाब का मिलान किया जाएगा। सिटी मजिस्ट्रेट विनय पांडेय ने इस मामले में खुली बैठक बुलाई थी। इस बैठक में भी समिति की गड़बड़ियों का लोगों ने खुलासा करते हुए पदाधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए थे। सौ से अधिक शिकायतें अंतरिम सभापति को मिल चुकी हैं। आरोप लगाया है कि फ्लैट और जमीन के लिए पैसा जमा होने के बाद संपत्ति दूसरे को आवंटित कर दी गई। सिटी मजिस्ट्रेट विनय पांडेय ने बताया कि ऑडिट चल रहा है। जांच में कई मामले सामने आए हैं। पैसा जमा होने के बाद सोसायटी से नहीं मिली जमीन या फ्लैट- मायानगर सहकारी आवास समिति में पैसा जमा होने के बावजूद सदस्यों को मकान या फ्लैट नहीं मिल सका। ऐसे 120 लोग अधिकारियों के कार्यालयों का चक्कर काट रहे हैं। कई लोग संपत्ति के लिए लड़ते-लड़ते दुनिया से विदा हो गए। इस मामले में सिटी मजिस्ट्रेट को प्रार्थनापत्र देकर पीड़ित पहले शिकायत कर चुके हैं। लोगों का भरोसा है कि अंतरिम समिति से उनको न्याय मिलेगा। लोगों का कहना है कि जांच हुई तो कई अवैध ढंग से संपत्ति हथियाने वाले बाहर होंगे। जमीन घोटाले की जांच के लिए गठित एसआईटी सुस्त पड़ी - अपर आयुक्त आवास के निर्देश पर डीएम ने समिति की जमीन के घोटाले की जांच के लिए एडीएम प्रशासन के नेतृत्व में एसआईटी गठित की थी। जांच टीम ने एक माह तक काम किया। इसके बाद एसआईआर अभियान शुरू होने के बाद जमीन घोटाले की जांच ठंडे बस्ते में चली गई। पांच माह बाद भी समिति की जमीनों का ऑडिट जारी है। लेकिन अभी तक कोई निष्कर्ष नहीं निकल सका है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने हेतु गौ रक्षक दल ने निकाली पदयात्रा, सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। गौ रक्षक दल के कार्यकर्ता फरीदपुर रोडवेज पर एकत्रित हुए। इस दौरान सभी सदस्यों ने गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिए जाने की मांग उठाई तथा गोवंश संरक्षण को लेकर विस्तार से चर्चा की।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि गोवंश की सुरक्षा के लिए आ रही समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में छोड़े जा रहे गोवंशों पर कड़ाई से रोक लगाई जाए तथा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। साथ ही नगर एवं ग्रामीण इलाकों में निश्चित स्थानों पर गोवंशों के लिए पानी पीने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

गौ रक्षक दल के सदस्यों ने गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा कि गौ हत्या में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए और दोषियों को शीघ्र जेल भेजा जाए।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि हिंदू संगठन एवं सनातन समाज के लोगों का दायित्व है कि वे गौ माता की रक्षा करें। जब भी गोवंश से संबंधित कोई घटना सामने आए, उसका तत्काल समाधान कराया जाए तथा प्रशासन का सहयोग लेकर कार्य किया जाए।

गौ रक्षक दल के कार्यकर्ता विकास ठाकुर ने बताया कि सभी सदस्य उपजिलाधिकारी महोदय को ज्ञापन सौंपकर गोवंश सुरक्षा एवं संरक्षण की मांग रखेंगे। इसी क्रम में सभी कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण एवं अनुशासित तरीके से पदयात्रा निकालकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचने का निर्णय लिया।

उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि उनकी मांगों पर शासन-प्रशासन गंभीरता से विचार करेगा और गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

शादी का झांसा रिपोर्ट में गलत धाराएं : SSP अनुराग आर्य ने दो उपनिरीक्षक सहित दीवान को किया सस्पेंड

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में एक गंभीर मामले में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई सामने आई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने लापरवाही और कर्तव्यहीनता के आरोप में दो उपनिरीक्षक (दारोगा) और एक मुख्य आरक्षी (दीवान) को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। मामले के अनुसार, थाना सीबीगंज में दिनांक 08 दिसंबर 2023 को एक महिला द्वारा प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया गया था कि एक व्यक्ति ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में उसे छोड़ दिया। इस शिकायत पर थाना सीबीगंज में स्नढ्ढक संख्या 354/2023 के तहत धारा 498 और 504 आईपीसी में मुकदमा दर्ज किया गया था।जांच के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। पाया गया कि उस समय एफआईआर लिखने वाले मुंशी प्रवीण कुमार ने दुराचार से जुड़े गंभीर आरोपों के बावजूद उचित धाराएं नहीं लगाईं। वहीं, तत्कालीन विवेचक उपनिरीक्षक रत्नेश कुमार (थाना भुता) और उपनिरीक्षक सचिन चौधरी (थाना नवाबगंज) ने भी विवेचना के दौरान विधिसम्मत कार्रवाई नहीं की और मामले में आवश्यक धाराओं को शामिल नहीं किया। इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए एसएसपी अनुराग आर्य ने तीनों पुलिसकर्मियों–उपनिरीक्षक रत्नेश कुमार, उपनिरीक्षक सचिन चौधरी और मुख्य आरक्षी प्रवीण कुमार–को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही, पूरे प्रकरण की विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

कंपीटेंट अपार्टमेंट के भूतल पर शॉर्ट सर्किट से लगी आग, कार समेत चार वाहन जले

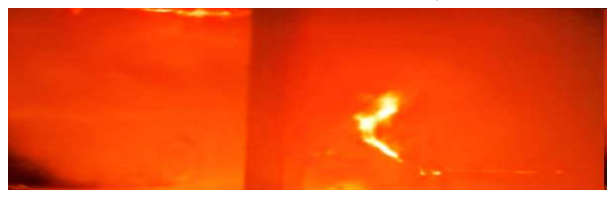

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रेमनगर थाना क्षेत्र में स्थित कंपीटेंट प्राइड अपार्टमेंट के भूतल पर शॉर्ट सर्किट से सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में एक दो कार, एक बाइक और एक स्कूटी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। सूचना मिलने के बाद दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। घटना पीएनबी शाखा के पास स्थित अपार्टमेंट में सुबह करीब पांच बजे हुई। आग सबसे पहले विद्युत पैनल में लगी और तेजी से फैलते हुए पास खड़े वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी भीषण थीं कि आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। अग्निकांड में दो कार और एक बाइक जल गईं। इनके अलावा एक स्कूटी भी आग की भेंट चढ़ गई। गनीमत रही कि दमकल टीम की त्वरित कार्रवाई से अपार्टमेंट में भीषण अग्निकांड होने से बचा लिया गया।

कुल्छा खुर्द में छुट भैया चोरों के हौसले बुलंद, पुलिस ने किया मौका मुआयना

न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं ग्रामीण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / मीरगंज ,बरेली । वैसे तो योगी सरकार में बड़े-बड़े माफियाओं के पसीना छूट गए हैं और वे उत्तर प्रदेश से कहीं पलानय कर गए हैं लेकिन छुट भैया चोरो के हौसले गांवों में चोरी करने की वारदातों को अंजाम देने में महारत हासिल किए हुए हैं और यह चोर ऐसे घरों को निशाना बनाते हैं जिनके परिजन या तो कहीं किसी काम से चले जाते हैं या घर पर अकेली महिला ही रह जाती है । थाना मीरगंज क्षेत्र के कुल्छा खुर्द में ही ऐसे ही दो परिवार को निशाना बनाया गया जिसमें लाखों का आभूषण या नगदी लेकर चोर फरार हो गए सूचना पर पुलिस ने गांव का स्थल निरीक्षण किया । यहां बता दें की इसी गांव में चोर पहले भी कई घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं जिनकी थाना पुलिस ने नियमानुसार रिपोर्ट दर्ज न करके घटनाओं का खुलासा करने का भरोसा तो दिलाया लेकिन इन घटनाओं पर पूरा ध्यान न देकर मामला ठंडा बस्ते में डाल दिया । जिसका परिणाम आज एक गंभीर समस्या बनता नजर आ रहा है कुल्छा खुर्द में 25 / 26 अप्रैल 2026 की रात में वीरेंद्र पुत्र श्री ख्यालीराम व संजीव पुत्र तेजराम के घरों में अज्ञात चोरों ने उसे समय निशाना बनाया जब यह लोग रात्रि के समय अपने घर में मौजूद नहीं थे । बताते हैं कि इन दोनों घरों में चोरों ने दरवाजा में लगे कुंडे काटकर घर में प्रवेश करके खूब लूटपाट की घटनाओं को अंजाम दिया और पूरी मुस्तादी के साथ निकल गए । ग्रामीण बताते हैं कि गांव में कुछ ऐसे शरारती तत्व मौजूद हैं जोक गली गली घूमकर रैकी करते हैं और जैसे ही उनको मौका लगता है घर के घर साफ कर देते हैं थाना पुलिस इस तरह की घटनाओं को एक छोटी घटना मानकर अनदेखा कर देती है । हालांकि लूटे ग्रामीण जनों के घरों पर जाकर पुलिस ने मौका मुआयना किया है देखना यह है कि क्या पुलिस इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगा पाएगी ?

तपती गर्मी में श्रमिकों के लिए राहत का अभियान : जिला अधिकारी

28 अप्रैल से 2 मई तक चलेगा मेगा हेल्थ ड्राइव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्रमिक दिवस के मौके पर जिला प्रशासन ने श्रमिकों के स्वास्थ्य को लेकर बड़ा कदम उठाया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में फैसला लिया गया कि 28 अप्रैल से 2 मई 2026 तक जिले में श्रमिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत श्रमिकों के घरों और कार्यस्थलों पर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। साथ ही टीबी, कैंसर और एचआईवी जैसी गंभीर बीमारियों की स्क्रीनिंग भी की जाएगी। यही नहीं, श्रमिकों को ओआरएस और सेनेट्री नैपकिन का वितरण किया जाएगा, जिससे उनकी सेहत और स्वच्छता का भी ध्यान रखा जा सके। नेत्र जांच शिविरों के जरिए मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान कर उनका ऑपरेशन जिला अस्पताल में कराया जाएगा। भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी ने खास निर्देश दिए हैं कि श्रमिकों को हीट वेव से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जाए।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा में सख्ती की हद, मंगलसूत्र-पायल तक उतरवाए गए; एसआई स्तर के कठिन सवालों ने उलझाया

होमगार्ड भर्ती परीक्षा के आखिरी दिन लखनऊ केंद्रों पर कड़ी सख्ती रही। जांच के दौरान जूते, बेल्ट, घड़ी के साथ महिलाओं के मंगलसूत्र और पायल तक उतरवाए गए। दूरदराज केंद्र मिलने से अभ्यर्थी परेशान दिखे। कई परीक्षार्थियों ने प्रश्नपत्र को बेहद कठिन और एसआई स्तर का बताया।उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं आयोजित होमगार्ड भर्ती सोमवार को राजधानी के सख्ती देखने को मिली। पर हुई इस जांच के दौरान नियमों से गुजरना पड़ा। बल तैनात रहा और प्रोन्नति बोर्ड द्वारा परीक्षा के आखिरी दिन परीक्षा केंद्रों पर जबरदस्त सुरक्षा और शुचिता के नाम अभ्यर्थियों को कड़े केंद्रों के बाहर भारी पुलिस चेकिंग के दौरान पुरुषों के जूते-बेल्ट तो उतरवाए ही गए, विवाहित महिलाओं के मंगलसूत्र, पायल और अन्य आभूषण तक उतरवा दिए गए।महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय केंद्र पर सुरक्षा जांच के दौरान उस समय असहज स्थिति पैदा हो गई, जब महिला पुलिसकर्मियों ने परीक्षार्थियों के धातु के गहने पहनने पर रोक लगा दी। हरदोई से आईं परीक्षार्थी सरिता देवी को कान की बाली, कंगन, पायल और मंगलसूत्र उतारने के निर्देश दिए गए। सरिता सहित कई अन्य महिला अभ्यर्थियों ने इसका कड़ा विरोध किया, लेकिन नियमों का हवाला देते हुए उनकी एक न सुनी गई। अंततः अभ्यर्थियों को अपने कीमती आभूषण केंद्र के बाहर खड़े परिजनों को सौंपने पड़े।जूते-घड़ी और बेल्ट पर भी रही पाबंदी आजमगढ़ से आए अभ्यर्थी शैलेश कुमार ने बताया कि परीक्षा हॉल में प्रवेश से पहले सभी के जूते और बेल्ट निकलवा दिए गए। मोबाइल, घड़ी और पेन ले जाने पर भी पूरी तरह पाबंदी रही। अभ्यर्थियों को केवल आवश्यक दस्तावेजों के साथ ही प्रवेश की अनुमति दी गई। 300-400 किमी दूर सेंटर होने से नाराजगी- परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी गाजीपुर, गोरखपुर, मऊ और देवरिया जैसे दूरदराज के जिलों से लखनऊ पहुंचे थे। परीक्षार्थियों ने विभाग के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि होमगार्ड जैसे पद की भर्ती के लिए 300 से 400 किलोमीटर दूर सेंटर आवंटित करना समझ से परे है। इससे न केवल आर्थिक बोझ बढ़ा, बल्कि अभ्यर्थियों को भारी मानसिक और शारीरिक थकान का सामना करना पड़ा। एसआई स्तर के कठिन सवालों ने उलझाया- राजधानी के 55 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित इस परीक्षा के स्तर को लेकर भी अभ्यर्थियों ने सवाल उठाए।परीक्षार्थियों के अनुसार, होमगार्ड भर्ती के प्रश्नपत्र का स्तर उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती जैसा कठिन था। परीक्षा में सामान्य ज्ञान, हिंदी, विज्ञान, इतिहास और भूगोल विषय के सवाल शामिल किए गए। अभ्यर्थियों का कहना है कि लगभग 90 प्रतिशत प्रश्न काफी जटिल थे, जिन्हें हल करने में समय की कमी महसूस हुई।

बीटेक छात्रा फ्लैट में लटकी मिली, कुछ दिन पहले तय हुई थी शादी; सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर हत्या का शक

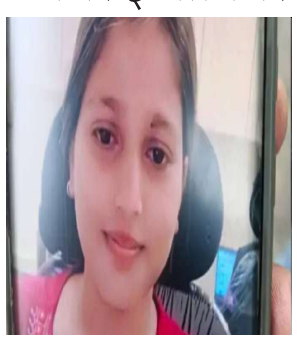

लखनऊ के बिजनौर क्षेत्र में बीटेक छात्रा वैष्णवी यादव फ्लैट में फंदे से लटकी मिलीं। परिवार ने हत्या की आशंका जताते हुए पास में रहने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर से पूछताछ की मांग की है। पुलिस प्रारंभिक जांच में शादी तय होने से तनाव की बात मान रही है। मामले की जांच जारी है।बिजनौर के सीमा सिटी में रविवार दोपहर अपार्टमेंट के फ्लैट में बीटेक अंतिम वर्ष की छात्रा वैष्णवी यादव(25) का शव फंदे से लटका मिला। वैष्णवी के पिता अयोध्या के रोनही कैटरोली निवासी अमर बहादुर ने बेटी की हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए सॉफ्टवेयर इंजीनियर से पूछताछ की मांग की है।इंस्पेक्टर कपिल गौतम के मुताबिक चार साल से वैष्णवी फ्लैट में किराये पर रह रही थीं। पास में सॉफ्टवेयर इंजीनियर रहता है। रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे इंजीनियर ने कुछ काम के लिए वैष्णवी को कॉल की थी। मगर फोन रिसीव नहीं होने पर वह खुद उनके फ्लैट में पहुंच गया।यहा उसे वैष्णवी कमरे में पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे लटकी मिली। आनन-फानन इंजीनियर ने शव नीचे उतारकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच पड़ताल करने के बाद छात्र के मोबाइल से उनके पिता अमर को घटना की जानकारी दी। शादी तय होने के कारण दी जान- पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वैष्णवी की शादी तय हो गई। इसके लिए वह तैयार नहीं थीं। आशंका है कि इसलिए उन्होंने खुदकुशी कर ली। फिलहाल अभी तक घरवालों ने कोई तहरीर नहीं दी है। शिकायत मिली तो साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। बेटी ने परीक्षा खत्म होने पर कही थी घर आने की बात- पिता का कहना है कि शनिवार रात वैष्णवी की मां आशा देवी से बात हुई थी। बेटी ने कहा था कि परीक्षा में उसका बैक पेपर लगा है। पेपर खत्म होने पर बेटी ने घर आने को कहा था। पिता ने पुलिस से सॉफ्टवेयर इंजीनियर से पूछताछ करने की मांग की है। उनका कहना है कि इंजीनियर ने पुलिस को पहले सूचना दिए बिना ही क्यों बेटी का शव नीचे उतार दिया ? उसे इस बात का कैसे पता चला कि बेटी ने फंदा लगा लिया है?

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पारा 41 के पार, बिजली कटौती से हाहाकार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। गर्मी में आसमान से आग बरस रही है। ऊपर से शहर से लेकर देहात तक में बिजली कटौती से उपभोक्ताओं में हाहाकार मच गया है। किला क्षेत्र में शनिवार की रात लोड अधिक होने से दो ट्रांसफार्मर फुंक गए जिससे रात भर कई

इलाकों में बिजली का संकट बना रहा। इसके अलावा शहर के कई इलाकों में लोकल फाल्ट और ट्रिपिंग से उपभोक्ता परेशान होते रहे। बिजली अपूर्ति से संबंधित शिकायतें विभागीय हेल्पडेस्क पर पहुंचती रहीं। मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने सीबीगंज सबस्टेशन पर निरीक्षण किया। किला सबस्टेशन के छोटी वमनपुरी और बारादरी मोहल्ला में बीती रात दो ट्रांसफार्मर फुंकने से रात में बिजली का संकट रहा। रविवार की सुबह टीम ने ट्राली ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति को बहाल कराया गया। हरूनगला सबस्टेशन के रामगंगानगर में लोकल फाल्ट के चलते रविवार को दो घंटे तक बिजली का संकट रहा। दुर्गानगर, राजेन्द्रनगर और सुभाषनगर सबस्टेशन से जुड़े इलाकों में एक फेस नहीं आने की समस्या रही। महानगर सबस्टेशन के उत्सव महानगर में भी रविवार की दोपहर से लेकर 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। स्वालेनगर में दोपहर 3 से लेकर शाम 6 बजे तक बिजली का संकट बना रहा।

अब बिजली कटौती होने पर करें कॉल : होगी उपकेंद्रों पर निगरानी, फोन नंबर जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भीषण गर्मी के बीच हो रही बिजली कटौती और आए दिन हो रहे फॉल्ट को देखते हुए विद्युत निगम ने रोज शाम छह से नौ बजे तक उपकेंद्रों की निगरानी के लिए

अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने उपकेंद्र वार अधिकारियों के नाम, पदनाम व मोबाइल नंबर जारी किए हैं। कोई समस्या होने पर उपभोक्ता इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

सिविल लाइंस प्रथम, सदर कैंट, मिशन कंपाउंड = धर्मेंद्र सिंह अधीक्षण अभियंता विद्युत नगरीय वितरण मंडल मो. 9415901700, संजीव गुप्ता, सहायक अभियंता कामर्शियल द्वितीय वर्टिकल मो. 9415901705। सिविल लाइंस द्वितीय, तृतीय, रामपुर बाग = ज्ञानेंद्र सिंह अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल 9415901646, अमित कुमार श्रीवास्तव, सहायक अभियंता विद्युत परीक्षणशाला द्वितीय मो. 7905561201। जगतपुर, हरूनगला, पवन विहार = विवेक कुमार सिंह अधीक्षण अभियंता प्रथम मो. 9559018537, अरुण कुमार अधिशासी अभियंता विद्युत माध्यमिक कार्य खंड मो. 9415901779, रविंद्र कुमार सहायक अभियंता तृतीय मो. 9415901670। डीडीपुरम, राजेंद्रनगर, डेलापीर, इज्जतनगर सूर्य कुमार अधिशासी अभियंता कॉमर्शियल द्वितीय मो. 9415901701, सुरेश चंद्र अधिशासी अभियंता विद्युत भंडार खंड मो. 9415901815, विक्रांत सैनी सहायक अभियंता द्वितीय कॉमर्शियल प्रथम मो. 8005499584।

कुतुबखाना, कोहाड़ापीर, शाहदाना = रामलाल अधिशासी अभियंता एचआर व जनसंपर्क वर्टिकल मो. 9415901726, हरी लाल सरोज सहायक अभियंता एचआर व जनसंपर्क वर्टिकल मो. 9415901727। महानगर, सनसिटी, दुर्गानगर = अंकित गंगवार अधिशासी अभियंता कॉमर्शियल प्रथम वर्टिकल मो. 9415901703, परविंद कुमार सहायक अभियंता विद्युत परीक्षणशाला प्रथम मो. 8950042829।

सुभाषनगर, सुभाषनगर द्वितीय, मढ़ीनाथ = राम नरेश अधिशासी अभियंता विद्युत परीक्षण खंड मो. 9415901669, रवेंद्र कुमार सहायक अभियंता एचआर व जनसंपर्क वर्टिकल मो. 8005494255।

किला, परसाखेड़ा, सीबीगंज, लोहिया विहार = हरीश कुमार अधिशासी अभियंता विद्युत कार्यशाला खंड मो. 9415901787, रोहित कुमार सहायक अभियंता कॉमर्शियल द्वितीय वर्टिकल मो. 9415901715, सुरेश कुमार रावत सहायक अभियंता कॉमर्शियल द्वितीय वर्टिकल मो. 9415901717।

गौर सम्मान आह्वान अभियान के तहत गौ प्रेमियों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ,राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार अभिषेक पांडे को ज्ञापन सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच / अनिल कुमार अहिरवार / पठारी/ गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत गो प्रेमियों समाजसेवियों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ,राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार अभिषेक पांडे को ज्ञापन सौंपा। यह है मुख्य मांगें – 1 गौ माता को दर्ज़ा गाय को राष्ट्र माता ,राष्ट्र धरोहर , राष्ट्र आराध्य घोषित किया जाए। 2. गौ हत्या पर रोक पूरे देश में गो हत्या पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए 3. गोचर भूमि की रक्षा गायों को चरने के लिए गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर सुरक्षित किया जाए। गौ सेवा मंत्रालय गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए अलग केंद्रीय कानून और मंत्रालय की स्थापना की जाए। 5. पंचगव्य को बढ़ावा पंच गव्य आधारित उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जाए ज्ञापन के माध्यम से सरकार को चेतावनी दी गई है कि यदि मांगे नहीं मानी गई तो इसे और तीव्र किया जाएगा। प्रचारक चेतराम साहू,रुपेश यादव ,बलराम साहू,आशीष शर्मा ने बताया कि जब तक मांगे नहीं मांगी जाती संतो के मार्गदर्शन में यह अभियान पूरे भारत बर्ष में निरंतर चलता रहेगा। संगठन सहित जन प्रतिनिधियों का मिला समर्थन राज मंदिर परिसर से गौ सेवक, समाजसेवी सर पर हस्ताक्षर रखकर पैदल मार्च करते हुए तहसील परिसर पहुंचे वहां पर तहसीलदार अभिषेक पांडे को हस्ताक्षर सहित ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष बलवीर सिंह दांगी, वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश सिंघई,इंद्राज सिंह ठाकुर शहरवासा,कमलेश सिंह यादव,हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष राजेश रिछारिया,मनोज रिछारिया, जसवंत सिंह यादव,पृथ्वी सिंह चौहान ,संजय सिंह चौहान, सरपंच शैलेंद्र सिंह ठाकुर,बलराम सिंह यादव, सरपंच रितेश जैन, शरद श्रीवास्तव, हनुमत सिंह राजपूत, शशि भूषण शर्मा,शैलेंद्र सिंह यादव सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल, किसान संघ का समर्थन प्राप्त था।

62वीं वाहिनी एसएसबी, भिनगा में बायोगैस प्लांट का उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती भिनगा, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भिनगा के वाहिनी मुख्यालय स्थित जवान मेस में बायोगैस प्लांट का उद्घाटन कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण द्वारा विधिवत रूप से किया गया।

इस पहल का उद्देश्य जवानों को स्वच्छ एवं सुलभ ईंधन उपलब्ध कराना, प्रभावी कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देना तथा पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना है।

बायोगैस प्लांट के माध्यम से मेस में उत्पन्न होने वाले जैविक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन कर गैस का उत्पादन किया जाएगा, जिससे भोजन बनाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही यह व्यवस्था स्वच्छता बनाए रखने, कचरा प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ करने एवं ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने में भी सहायक सिद्ध होगी। इस पहल से पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम होगी और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन मिलेगा।

इस अवसर पर श्री सोनू कुमार, उप कमांडेंट, डॉ. कल्पना महादेव पाटील, सहायक कमांडेंट (चिकित्साधिकारी) सहित अन्य अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। सभी ने इस पर्यावरण हितैषी एवं कचरा प्रबंधन आधारित पहल की सराहना की।

कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की योजनाएं न केवल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और प्रभावी कचरा प्रबंधन में सहायक होती हैं, बल्कि स्वच्छ, हरित एवं सतत् वातावरण के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीएचसी में अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं है। जिले की 13 लाख की आबादी अल्ट्रासाउंड के लिए अकेले जिला अस्पताल पर निर्भर है। ऐसे में लोग निजी अल्ट्रासाउंड सेंटरों में जाकर ठग जाते हैं। जिले में एक जिला अस्पताल व आठ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र है। इसमें सीएचसी सिरसिया, सीएचसी मल्हीपुर को छोड़कर अन्य किसी भी सीएचसी में अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध नहीं है। सिरसिया में मशीन तो लगी है लेकिन केवल गर्भवती महिलाओं का ही अल्ट्रासाउंड जांच हो पाती है जो महिला स्त्रीरोग विशेषज्ञ करतीं है। इसके अलावा अन्य किसी भी मरीज का अल्ट्रासाउंड नहीं हो पाता है। क्योंकि यहां रेडियोलाजिस्ट की तैनाती नहीं है। वहीं इकौना सीएचसी में भी मशीन तो लगी है लेकिन रेडियोलाजिस्ट न होने से यहां भी सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाती है। मल्हीपुर सीएचसी मशीन लगी है। लेकिन यहां महीने में चार दिन ही अल्ट्रासाउंड होता है। जिला अस्पताल से चिकित्सक महीने में एक, नौ, 16 व 24 तारीख को आकर अल्ट्रासाउंड करते हैं। गिलौला व भंगहा सीएचसी में लोगों को अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं उपलब्ध हो पाती है। वहीं सीएचसी सोनवा में न तो अल्ट्रासाउंड होता है और न ही यहां एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध है। ऐसे में लोगों को अल्ट्रासाउंड के लिए जिला अस्पताल का चक्कर काटना पड़ता है। लोगों को मजबूरी में प्राइवेट सेन्टरों का रुख करना पड़ता है।

तेल पूजन का सामान लाने जा रहे भाइयों पर गिरी पीपल की डाल, मदद के लिए चिल्लाते रहे; चीखें कोई सुन सका

तेल पूजन का सामान लेने जा रहे दो फुफेरे भाइयों पर सड़क किनारे पीपल की भारी डाल गिर गई, जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। हादसा नवाबगंज-तरबगंज मार्ग पर हुआ। शादी वाले घर की खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की है।नवाबगंज-तरबगंज मार्ग पर पिपरी गांव के पास सोमवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें तेल पूजन का सामान लाने जा रहे बाइक सवार दो फुफेरे भाइयों पर सड़क किनारे खड़े पीपल के पेड़ की भारी डाल अचानक टूटकर गिर पड़ी, जिससे दोनों उसकी चपेट में आ गए। ऐसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इससे आधा घंटे आवागमन बाधित रहा।तरबगंज थाना के सीरपुरवा धौरहरा निवासी काशीराम यादव के घर में मंगलवार को बेटे दुर्गेश की शादी होनी थी। सोमवार को तेज पूजन का कार्यक्रम निर्धारित था। इसके लिए उनका छोटा बेटा रिंकू यादव (18) बाइक से पूजन का सामान लेने निकला था। वह पहले भोपतपुर हरनाटायर स्थित अपने मामा के घर पहुंचा, जहां से ममेरे भाई अमित यादव (20) को साथ लेकर नवाबगंज बाजार के लिए निकलेदोनों युवक जब

पिपरी गांव के पास पहुंचे, तभी अचानक सड़क किनारे खड़े पुराने पीपल के पेड़ की डाल टूटकर सीधे उन पर गिर गई। घटना इतनी अचानक हुई कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला और दोनों उसके नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। घटना के कारण मार्ग पर लगभग आधे घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पेड़ की डाल को कटवाकर हटवाया, जिसके बाद यातायात बहाल हो सका। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्राधिकारी डॉ. उमेश्वर प्रभात सिंह ने बताया कि पेड़ की डाल गिरने से दोनों युवकों की मौत हुई है। मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।मातम में बदला खुशी का माहौल- रिंकू यादव तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बड़े भाई दुर्गेश की बारात मंगलवार को जानी थी और परिवार में शादी की तैयारियां जोरों पर थीं। घर में खुशियों का माहौल था, लेकिन इस हादसे ने सब कुछ बदल दिया। पिता काशीराम ने बताया कि बड़ा बेटा दुर्गेश सोमवार को होमगार्ड भर्ती परीक्षा देने बलरामपुर गया हुआ था। छोटे बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। रिंकू ने इसी वर्ष राम सिंह स्मारक इंटर कॉलेज से हाईस्कूल की परीक्षा पास की थी और आगे की पढ़ाई की तैयारी कर रहा था। उधर, अमित यादव अपने पिता नकछेद का इकलौता बेटा था। उसकी एक बड़ी बहन है, जिसकी शादी हो चुकी है। बेटे की असमय मौत से पिता और बहन का रो-रोकर बुरा हाल है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। लोग पीड़ित परिवारों के घर पहुंचकर संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

नटेरन में महिला स्व-सहायता समूह ने संभाली उपार्जन केन्द्र की कमान

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/नटेरन प्नरशासन द्वारा नटेरन तहसील में नए उपार्जन केंद्नर बनाया गया था जिसका सुभारम आज विधिबत रूप से किया गया शुभारम्भ अवसर पर बेयारहॉउस संचालक अंशुज शर्मा जनपद अधक्ष प्रतिनधि यशपाल रघुवंशी किसान संघ जिलाधाक्ष महिला स्वश्यता समूह की महिलाओ सहित दर्जनों किसानो के साथ केंद्र का सुभारम्भ किया गया जिसमे नटेरन तहसील के ग्राम नटेरन स्तिथ माँ पीताम्बरा उपार्जन केन्द्र पर इस वर्ष महिला स्व-सहायता समूह द्वारा किए जा रहे सुव्यवस्थित संचालन ने एक नई मिसाल पेश की है। समूह की महिलाओं ने जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करते हुए केन्द्र पर व्यवस्थाओं को बेहतर का पप्रयास किया है, जिससे किसानों को अपनी उपज बेचने में सुविधा मिल रही है। उपार्जन केन्द्र पर तौल, पंजीयन, भंडारण एवं परिवहन जैसी व्यवस्थाओं को सुनियोजित ढंग से संचालित किया जायेगा । महिला समूह की सक्रियता के चलते किसानों को अनावश्यक इंतजार नहीं करना पड़ रहा है और पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ संपन्न हो रही है।

समूह की सदस्याएं प्रतिदिन समय पर उपस्थित होकर कार्यों का विभाजन करेगी और आपसी समन्वय से सभी व्यवस्थाएं संभालेगी हैं। केन्द्र पर साफ-सफाई, दस्तावेजों का संधारण एवं किसानों से संवाद भी बेहतर तरीके से किया जायेगा , जिससे किसानों में संतोष असुबधा न हो । स्थानीय किसानों ने महिला स्व-सहायता समूह के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पहले जहां अव्यवस्थाएं देखने को मिलती थीं, वहीं अब कार्य सुचारू रूप से हो रहा है। महिलाओं की भागीदारी से न केवल व्यवस्थाएं सुधरी हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिला है। महिला समूह के इस प्रयास की सराहना की जा रही है और इसे अन्य उपार्जन केन्द्रों के लिए प्रेरणास्रोत बताया जा रहा है। यह पहल महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित हो रही है

जमुनहा तहसील में भारतीय हिन्दू परिषद गौ रक्षा दल ने सौंपा ज्ञापन, गौ संरक्षण व जनसमस्याओं के समाधान की उठाई मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती। जनपद की तहसील जमुनहा में भारतीय हिन्दू परिषद गौ रक्षा दल के जिला अध्यक्ष प्रिय व्रत मिश्रा के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार जमुनहा अमरीष कुमार को एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संगठन की पूरी टीम मौजूद रही और क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की गई। ज्ञापन के माध्यम से संगठन पदाधिकारियों ने गौवंश संरक्षण, छुट्टा पशुओं की समस्या, ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को हो रही परेशानियों तथा गौशालाओं की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आवारा गौवंश किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे किसानों को आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। ऐसे में प्रशासन द्वारा उचित कदम उठाकर समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।जिला अध्यक्ष प्रिय व्रत मिश्रा ने कहा कि भारतीय हिन्दू परिषद गौ रक्षा दल सदैव गौमाता की रक्षा, समाज सेवा एवं जनहित के कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है। संगठन लगातार गौ संरक्षण और समाज हित से जुड़े मुद्दों को प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि क्षेत्र में संचालित गौशालाओं की नियमित निगरानी कराई जाए तथा वहां चारा, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। तहसीलदार जमुनहा ने ज्ञापन प्राप्त कर संगठन के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा

तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

इस अवसर पर संगठन के जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद जायसवाल तथा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान प्रशासनिक परिसर में शांति व्यवस्था बनी रही।

मनरेगा ऑडिट में छाया प्रतियों की मांग पर भड़के ग्राम विकास अधिकारी, CDO को सौंपा शिकायती पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद जिले में मनरेगा कार्यों के सोशल ऑडिट को लेकर ग्राम विकास अधिकारियों (VDO) और ऑडिट टीम के बीच तकरार बढ़ती नजर आ रही है। ग्राम विकास अधिकारी संघ (एसीओ) ने ऑडिट टीम द्वारा मूल अभिलेखों के स्थान पर छाया प्रतियों की मांग करने और ऑडिट रिपोर्ट समय पर जनरेट न करने पर गहरा रोष व्यक्त किया है।

इस संबंध में संघ ने मुख्य विकास अधिकारी (CDO) को पत्र भेजकर हस्तक्षेप की मांग की है। संघ के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार सागर और अन्य पदाधिकारियों ने पत्र में बताया कि जनपद के लगभग 450 ग्राम पंचायतों में वर्ष 2021-22 का मनरेगा ऑडिट चल रहा है। आरोप है कि लेखा परीक्षक दल द्वारा मूल अभिलेखों के बजाय अनावश्यक रूप से छाया प्रतियों की मांग की जा रही है, जो न तो व्यावहारिक है और न ही नियमानुकूल। हजारों पन्नों की छाया प्रतियां तैयार कराना सरकारी धन और समय का दुरुपयोग है।

ऑडिट टीम द्वारा निरीक्षण के बावजूद पोर्टल पर रिपोर्ट समय से जनरेट नहीं की जा रही है, जिससे विकास कार्यों की प्रगति बाधित हो रही है और प्रशासनिक कार्यों में अनावश्यक विलंब हो रहा है। ग्राम विकास अधिकारी संघ ने साफ किया है कि नियमानुसार मूल अभिलेख ग्राम पंचायत स्तर पर सत्यापन के लिए उपलब्ध हैं। ऐसे में छाया प्रतियों की मांग करना केवल उत्पीड़न का जरिया है। संघ ने CDO से मांग की है कि ऑडिट टीम को केवल मूल अभिलेखों से भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए जाएं। ऑडिट रिपोर्ट को बिना किसी विलंब के तत्काल जनरेट कराया जाए ताकि वर्ष 2021-22 की आपत्तियों का निस्तारण हो सके। संघ ने पत्र की प्रतियां अन्य उच्चाधिकारियों को भी भेजी हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन इस तकनीकी विवाद को कैसे सुलझाता है, ताकि मनरेगा ऑडिट की प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी हो सके। इस दौरान मौके पर विनोद कुमार सागर जिला अध्यक्ष, इरशाद हुसैन प्रान्तीय प्रतिनिधि, कुल गौरव सिंह चौहान महामंत्री,धर्मवीर सिंह जिला संरक्षक, अजयपाल सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नाजिम इकबाल उपाध्यक्ष, स्वाति चौहान महिला उपाध्यक्ष,जयपाल सिंह उपाध्यक्ष,अमित कुमार गुप्ता कोषाध्यक्ष, चंद्रप्रकाश मीडिया प्रभारी,अभिरूप टंडन ऑडिटर, सुरेन्द्र सिंह संयुक्त मंत्री, सत्यम गौड़ संगठन मंत्री आदि मौजूद रहे ।

गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत विशाल शांतिपूर्ण प्रार्थना यात्रा आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रवीण शर्मा/ रायपुर, छत्तीसगढ़ (सोमवार) को गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत विशाल संत समाज, गो सेवकों एवं समाज प्रमुखों द्वारा गो माँ और नंदी बाबा को साथ लेकर एक भव्य एवं शांतिपूर्ण भजन-कीर्तन प्रार्थना यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा माँ महामाया मंदिर प्रांगण से प्रारंभ हुई, जहाँ सभी श्रद्धालुओं एवं संत-महात्माओं ने माँ का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रार्थना पत्र के साथ लगभग 21,200 व्यक्तियों द्वारा संकल्पित पत्रकों को लाल वस्त्र में सिर पर धारण कर नंगे पाँव पैदल चलते हुए अभियान का शुभारंभ किया। गो सम्मान यात्रा में भजन-कीर्तन करते हुए बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य देशभर की तहसीलों में आयोजित ज्ञापन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी जनमानस तक पहुँचाना रहा।

इस अवसर पर प्रेस वार्ता के दौरान देशभर से पधारे पूज्य संत-महात्माओं-गो ग्वाल संत जगद्गुरु श्री भावानंद पीठाधीश्वर श्री अविराम दास जी महाराज, श्री सुरभि दास जी महाराज, श्री लक्ष्मीकांत महाराज जी, श्री अमित उपाध्याय जी, श्री योगेश महाराज जी, श्री राघव दास जी महाराज, श्री शिवम महाराज जी एवं श्री विमल तिवारी जी- के सान्निध्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

साथ ही छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के संरक्षक दादा ठाकुर राम गुलाम सिंह ने भी गो सम्मान आह्वान अभियान को समर्थन दिया,इस प्रार्थना यात्रा में श्री राधेश्याम अग्रवाल,श्री राकेश अग्रवाल, श्री सरोज सिंह, श्री प्रितीश शर्मा, श्री नवीन शर्मा, श्री नरेश शर्मा एवं श्री बसंत तिवारी सहित अनेक समाज प्रमुखों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संत-महात्माओं ने पत्रकार बंधुओं के प्रश्नों का उत्तर देते हुए अभियान के उद्देश्य एवं स्वरूप पर प्रकाश डाला। प्रार्थना यात्रा में गो सेवक आदेश सोनी के साथ बड़ी संख्या में गो सेवक-सेविकाएं, गो पालक, समाजसेवी, व्यापारी वर्ग, एनजीओ प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इस दौरान अभियान के अंतर्गत संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को मोतीबाग गार्डन में प्रार्थना पत्र (ज्ञापन) सौंपा गया। प्रस्तुत ज्ञापन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्य के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम संबोधित है, जिसमें गोवंश के संरक्षण, संवर्धन एवं गो माता को राष्ट्र माता का दर्जा प्रदान करने की मांग की गई है।

साथ ही गोवंश की सुरक्षा, कृषि, पर्यावरण संतुलन एवं भारतीय संस्कृति में उसके महत्व को ध्यान में रखते हुए ठोस नीतिगत कदम उठाने का आग्रह किया गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि वर्तमान परिस्थितियों में गोवंश की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान अत्यंत आवश्यक है तथा इसके लिए सेवा सुरक्षा सम्मान के साथ-साथ शासन स्तर पर प्रभावी निर्णय अपेक्षित हैं। यह प्रार्थना पत्र देशभर के विभिन्न प्रशासनिक स्तरों के माध्यम से उच्च नेतृत्व तक पहुँचाने का प्रयास किया गया है।गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत दिनांक 27 अप्रैल 2026 को पूरे भारतवर्ष में एक साथ 5000 से अधिक तहसीलों में प्रार्थना पत्र (ज्ञापन) सौंपे गए। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलों की 229 तहसीलों में भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राजधानी रायपुर में प्रात: 10:00 बजे सभी श्रद्धालु माँ महामाया मंदिर में एकत्रित होकर शांतिपूर्ण भजन-कीर्तन करते हुए मोतीबाग तक यात्रा निकाली, जहाँ जनमानस की उपस्थिति में तहसीलदार को प्रार्थना पत्र (ज्ञापन) प्रस्तुत किया गया। संतों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गो माता को राष्ट्र माता का सम्मान दिलाना तथा गोवंश की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान दिलवाना है। यह अभियान पूर्णत: शांतिपूर्ण, श्रद्धा एवं आस्था पर आधारित जन-जागरण का माध्यम है, जिसमें किसी प्रकार का विरोध-प्रदर्शन नहीं किया जाता, बल्कि भजन-कीर्तन एवं प्रार्थना के माध्यम से भावनाएं व्यक्त की जाती हैं।

विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि यह अभियान किसी एक संगठन या व्यक्ति तक सीमित न होकर, साधु-संतों के मार्गदर्शन में गो सेवक-सेविकाएं, गो पालक, प्रकृति प्रेमी, समाजसेवी एवं आम नागरिकों के सामूहिक सहयोग से संचालित हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नटेरन में गौ सम्मान अभियान के तहत सकल हिन्दू समाज ने सौंपा ज्ञापन

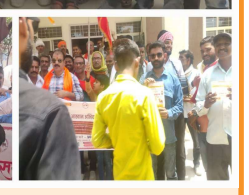

क्यूँ न लिखूँ सच / योगेंद्र रघुवंशी/ नटेरन। क्षेत्र में गौ सम्मान अभियान के अंतर्गत सकल हिन्दू समाज द्वारा सोमवार को एक विशाल जनसमूह के साथ तहसील कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम की शुरुआत भैरो जी मंदिर से जय गौमाता के भजन-कीर्तन के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में गौ भक्त शामिल हुए। भजन-कीर्तन करते हुए सभी लोग रैली के रूप में तहसील कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में गौ संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर कई महत्वपूर्ण मांगें रखी गईं। मुख्य मांगों में प्रत्येक पंचायत में गौ अभयारण्य खोलने, नंदी शाला की स्थापना, गौ चिकित्सालय की व्यवस्था तथा गौ सम्मान से जुड़ी अन्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने की बात कही गई है। ज्ञापन पर सैकड़ों लोगों के हस्ताक्षर भी किए गए, जिससे इस अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिला। इस अवसर पर दर्जनों गौ भक्त एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने गौ संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

जनसुनवाई में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सुनी 782 शिकायतें, कई का मौके पर समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री एवं सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने शिवपुरी प्रवास के तीसरे दिन कोटा-भगोरा क्षेत्र में आयोजित जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 782 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों के त्वरित समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सभी आवेदनों को टोकन प्रणाली के माध्यम से पंजीकृत कर ऑनलाइन ट्रैकिंग से जोड़ा गया है, जिससे हर प्रकरण की पारदर्शी एवं समयबद्ध समीक्षा सुनिश्चित हो सके। जनसुनवाई में आयुष्मान कार्ड, बीपीएल कार्ड, प्रमाण पत्र, लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना पंजीयन सहित विभिन्न जांच संबंधी मामलों पर विशेष रूप से सुनवाई की गई। इस दौरान कई हितग्राहियों को तत्काल लाभ प्रदान किया गया। इंदर सिंह आदिवासी, जूली जाटव और नंदकिशोर को संबल योजना के तहत आर्थिक सहायता स्वीकृति पत्र दिए गए। अमर सिंह आदिवासी और राजकुमार के प्रकरणों में फौती नामांतरण किया गया। लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत मनीषा ओझा, हरिवल्लभ-नंदनी और मृगेन्द्र गुर्जर को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। नानू आदिवासी को वृद्धा पेंशन, जतनाम सिंह एवं ग्यासी बंजारा को जन्म प्रमाण पत्र तथा मोहन को मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं को निशुल्क साइकिल का वितरण भी किया गया। उल्लेखनीय है कि यह जनसुनवाई दूसरे चरण की श्रृंखला का हिस्सा है। पिछले तीन दिनों में लुकवासा, भोंती और कोटा में आयोजित तीन बड़े जनसुनवाई शिविरों में 3000 से अधिक नागरिकों की समस्याएं सीधे केंद्रीय मंत्री, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सुनी गईं।

रीवा नेशनल अस्पताल के सामने से बाइक फिर पार: 20 मिनट में वारदात, CCTV में कैद पूरी घटना समान पुलिस ने की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज

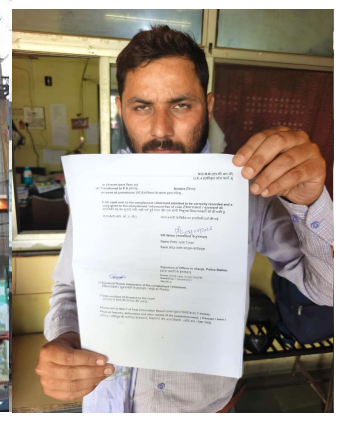

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रदीप कुमार तिवारी कार्यकारी संपादक/ रीवा। जिले के समान थाना क्षेत्र स्थित नेशनल अस्पताल के सामने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। शाम करीब 8:30 बजे महज 20 मिनट के भीतर बाइक चोरी की घटना सामने आई है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। पूरी वारदात अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी लैब कर्मचारी किसी कार्य से नेशनल अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक (MP 17 B 7121) अस्पताल के बाहर पार्किंग में खड़ी की और अंदर चले गए।

करीब 20 मिनट बाद जब वे वापस लौटे तो उनकी बाइक मौके से गायब थी। घबराए पीड़ित ने तुरंत वहां मौजूद सुरक्षा गार्ड से पूछताछ की, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी।इसके बाद पीड़ित ने समान थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। बताया जा रहा है कि सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध युवक बाइक ले जाते हुए स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है, जिससे पुलिस को आरोपी तक पहुंचने में मदद मिलने की उम्मीद है। पीड़ित ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि वे एक सामान्य परिवार से हैं और बाइक चोरी हो जाने से उन्हें काफी नुकसान और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को संदिग्ध युवक या बाइक के बारे में कोई जानकारी मिले तो आगे आकर मदद करें। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान में जुटी हुई है और जल्द ही कार्रवाई का दावा किया जा रहा है।लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाएं बनी चिंता का विषय -क्षेत्र में बढ़ती चोरी की वारदातों ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह होगा कि पुलिस कितनी जल्दी आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी हुई बाइक बरामद कर पाती है।

नेशनल हॉस्पिटल में बाइक चोरी की है पहली घटना नहीं है पहले भी इस तरह की घटनाएं होती रही है लेकिन अस्पताल प्रबंधन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न होने से बाइक की चोरी होती जा रही हैं

प्रयागराज में कथित अवैध गतिविधियों को लेकर बढ़ा विवाद, अधिवक्ता ने छवि धूमिल करने का लगाया आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रयागराज। शहर में कुछ स्पा एवं मसाज केंद्रों से जुड़ी कथित अवैध गतिविधियों को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इस मामले में अधिवक्ता श्रद्धा शुक्ला द्वारा संबंधित विभागों से शिकायत किए जाने के बाद मामला सार्वजनिक चर्चा में आ गया है। शिकायत के बाद अब आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है, जिससे पूरा प्रकरण और भी संवेदनशील बन गया है।अधिवक्ता श्रद्धा शुक्ला का कहना है कि उन्होंने शहर में संचालित कुछ स्पा/मसाज केंद्रों में अनियमितताओं और कथित अवैध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों को शिकायत पत्र सौंपा था। उनका आरोप है कि इन केंद्रों के पास मसाज या स्पा संचालन के लिए आवश्यक लाइसेंस तो मौजूद हैं, लेकिन लाइसेंस की आड़ में कथित रूप से अनैतिक और गैरकानूनी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

श्रद्धा शुक्ला का यह भी कहना है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद से कुछ लोग उनके खिलाफ भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। उनका आरोप है कि जानबूझकर उनकी सामाजिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे दबाव में आकर शिकायत वापस ले लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति या व्यवसाय को बदनाम करना नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था और सामाजिक मर्यादाओं की रक्षा करना है।

वहीं दूसरी ओर, कुछ व्यक्तियों द्वारा अधिवक्ता पर ही अलग-अलग आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की अब तक किसी भी आधिकारिक एजेंसी या प्रशासनिक स्तर पर पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे मामले में कई नाम सामने आने की चर्चाएं जरूर हैं, लेकिन फिलहाल किसी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई या निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किया गया है।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि मामला अब आपसी विवाद और आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति में पहुंच गया है, जिससे भ्रम की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में आमजन के बीच भी तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। नागरिकों और सामाजिक संगठनों की ओर से प्रशासन से मांग की जा रही है कि बिना किसी दबाव के निष्पक्ष जांच कराई जाए।

प्रशासनिक स्तर पर अभी तक कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि शिकायत के आधार पर संबंधित विभाग तथ्यों की जांच कर रहे हैं। लोगों की नजरें अब प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं, ताकि पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ सके और दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई हो सके।

गो सम्मान आह्वान अभियान: सैकड़ों किसानों ने तहसील पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ गर्मी को मात देकर उठी आस्था की आवाज, गो रक्षा के लिए जुटा जनसमूह शमशाबाद। 'गो सम्मान आह्वान अभियान' के तहत क्षेत्र के सैकड़ों किसान एवं आमजन एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर तहसील कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। बड़ी संख्या में लोग नए बस स्टैंड से रैली के रूप में निकले, जहां गो माता को राष्ट्र माता घोषित करो जैसे नारों से माहौल गूंज उठा।

भीषण गर्मी के बावजूद महिलाओं और बुजुर्गों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लेकर तथा सिर पर हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन के बंडल रखकर पैदल तहसील कार्यालय पहुंचे, जिससे उनकी प्रतिबद्धता साफ झलकी।तहसील कार्यालय में एसडीएम अजय प्रताप सिंह एवं तहसीलदार प्रेमलता पाल को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान एक गांव के गो-भक्त ने विशेष आस्था प्रकट करते हुए पिंड भरकर ज्ञापन देने की अनोखी पहल की।

ज्ञापन में देश में गो-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गो माता को राष्ट्र माता घोषित करने, गो सेवा हेतु केंद्रीय कानून लागू करने, केंद्रीय गो सेवा मंत्रालय के गठन, गोचर बोर्ड की स्थापना, चारा सुरक्षा नीति बनाने तथा गौ-आधारित कृषि को बढ़ावा देने जैसी प्रमुख मांगें शामिल रहीं।

विदिशा जिले में 14 उपार्जन केंद्र बनाए गए किसानो की सुविधा के लिए

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ आज सेऊ नटेरन के अंतर्गत आने वाले पीतांबरा वेयर हाउस पर हुआ गेहूं की तुलाईका शुभारंभ जिसमे बेयर हाउस के संचालक श्री अंशुजशर्मा जी द्वारा जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी भगवान सिंह दादा दौलत सिंह जी लोधी राजू मामा रघुवंशी , एवं महिला किसान बहेनो की उपस्थिति में किसानों का सम्मान किया गया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Odisha's famous Chhena Poda was created by a mistake by a confectioner. The story behind Lord Jagannath's favorite offering is fascinating.

Chena Poda is a famous sweet of Odisha. This sweet was first created by a confectioner by chance. Chhena Poda, a sweet created by a mistake by a confectioner—made by Sudarshan Sahu of Nayagarh by mistake—is part of the 56 offerings at the Jagannath Temple. How can one mention Odisha without mentioning Chhena Poda? This sweet, offered to Lord Jagannath, is renowned for its distinctive aroma. But did you know that this dish, which has become an integral part of Odisha's food culture, was actually the result of a mistake? Yes, this is not a master chef's recipe, but a coincidental sweet that has now become an integral part of Odisha's culture. Let's find out how the amazing Chhena Poda was first made. The story of one night and the confectioner from Nayagarh - Chhena Poda originated in the 20th century in the town of Nayagarh, Odisha. The credit for creating this sweet goes to Sudarshan Sahu, the owner of a local sweet shop. It is said that one night, Sudarshan Sahu had a large amount of leftover chenna. Instead of throwing it away, he placed the mixture of sugar and some seasonings in a hot oven, which was still slightly warm after a long day's work. The mixture remained in the oven overnight. When he opened the oven the next morning, he was astonished to see a wonderful sweet. Thus was born Chhena Poda, now known as the taste of Odisha. How it got its name - Chhena Poda's meaning lies in its making process. In Odia, chenna means cottage cheese, and poda means burnt or roasted. It is not just a sweet, but an emotion for every Odia citizen. Today, it is high demand at every sweet shop in Odisha, where it is prepared in various flavors of sugar or jaggery. Traditional Method and Unique Flavor - The recipe for Chhena Poda is quite interesting. It uses fresh chenna, sugar, and semolina. This mixture is wrapped in sal leaves. The sal leaves give it a distinctive smoky flavor and aroma. It is baked over low heat until its outer layer becomes golden brown and crispy. Religious Significance and Chhappan Bhog - Due to its unique and rich flavor, Chhena Poda quickly made its way from ordinary shops to temples. Today, it is part of the Chhappan Bhog offered to Lord Jagannath at the famous Jagannath Temple in Puri. This sweet is soon going to receive a GI tag, which will play a vital role in preserving its regional identity.

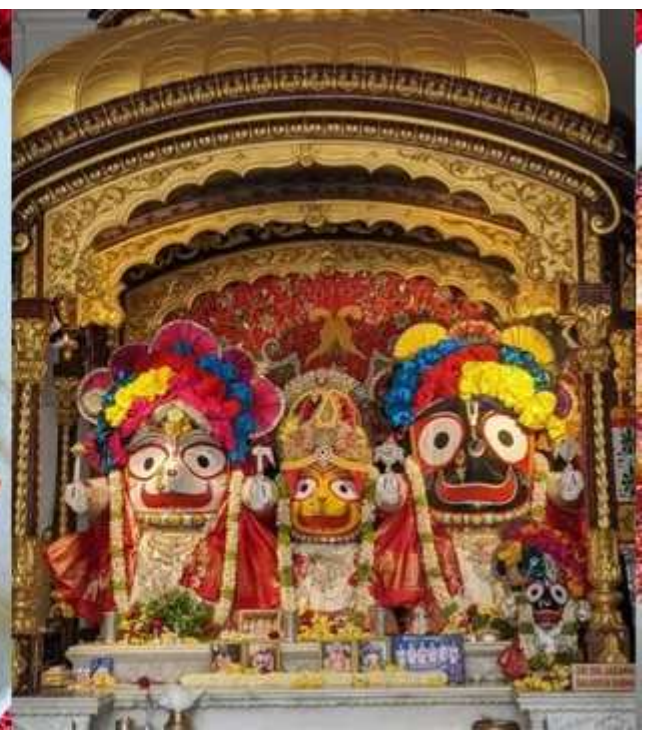

If your body is also giving these 7 signals, be careful! These could be signs of vitamin B12 deficiency.

Ignoring the symptoms of vitamin B12 deficiency can worsen the problem. Diet and supplements can help address the deficiency. Persistent fatigue and weakness are signs of vitamin B12 deficiency. Tingling in the hands and feet and memory problems. Neurological symptoms - correct vitamin B12 deficiency with diet or supplements. Our body gives us silent signals before any illness, all we need is to understand them. When there is a vitamin B12 deficiency, the body gives us such signals that it is very important to recognize them. However, many people take these signals lightly, which can prove fatal in the long run. Vitamin B12 deficiency in the body causes various physical and neurological symptoms, which are important to recognize in time. Let's learn about the symptoms of vitamin B12 deficiency. Signs of Vitamin B12 Deficiency: Fatigue and Weakness - If you constantly feel tired and weak, even after getting enough sleep, this could be a sign of a vitamin B12 deficiency. Digestive Problems - Problems like nausea, vomiting, or diarrhea can be caused by a vitamin B12 deficiency. Loss of Appetite and Weight Loss - Sudden loss of appetite and rapid weight loss without any effort are also signs. Mouth Sores and Swollen Tongue - B12 deficiency can cause the tongue to become swollen, red, and painful. Frequent mouth sores are also a common symptom. Yellowing of the Skin - Vitamin B12 deficiency can cause a slight yellowing of the skin, similar to jaundice, because it reduces the production of red blood cells. Irritability - Unexplained changes in temperament or feeling irritable over trivial matters can be signs of a vitamin B12 deficiency. Changes in behavior - A sudden change in a person's thinking pattern or normal behavior also indicates a vitamin B12 deficiency. Neurological symptoms of vitamin B12 deficiency - Tingling in hands and feet - If you repeatedly experience numbness or a tingling sensation in your hands or feet, don't take it lightly. Memory problems - Forgetting things or having trouble concentrating on a task indicates a serious B12 deficiency. Balance and walking problems - This deficiency damages the nervous system, which can lead to difficulty walking or speaking normally. How to prevent it? - Our bodies cannot produce vitamin B12 on their own. Therefore, this deficiency can only be addressed through diet and supplements. Its main sources are animal-based products, such as milk, eggs, and chicken. If you are a vegetarian, you can also take vitamin B12 supplements after consulting a doctor.

"Hey man! It's in my head, but it's not coming to my tongue..." If this happens to you, understand the science behind it.

Sometimes it feels like a word is stuck on my tongue, but I can't remember it. This is called the tip-of-the-tongue phenomenon. Feeling like a word is stuck on my tongue but I can't remember it is a common occurrence when my brain can't recall information. This happens when my brain can't recall it. This is called the tip-of-the-tongue phenomenon. Have you ever tried to remember an old friend's name, a movie title, or a specific word, and it feels like it's right there on the tip of your tongue, but it just won't come out? You can tell the length of the word, its first letter, and even similar words come to mind, but the exact word is missing. If so, don't worry, you're not alone. In psychological terms, this experience is called the "tip-of-the-tongue" or TOT phenomenon. It's a mental state in which a person knows they know the information, but their brain can't recall it at a given moment. Why and how does this happen? Psychologists believe that our brain stores words or information in several different layers. When we memorize a word, the brain connects its meaning and its sound. TOT occurs when the brain reaches the meaning of the word but fails to connect it with its pronunciation. It can be considered a kind of short circuit, where you know who you're looking for, but their name gets stuck in the doorway of your mind. What do we feel during TOT? The most interesting thing about this phenomenon is that we remember many other things about the missing word, such as: - Word structure - People can often tell whether a word is short or long. - Sound - You may remember what a word sounds like or how many letters it has. - First letter - Sometimes a person remembers the first letter of the correct word. - Other words - The brain often recalls synonyms instead of the word itself. Reasons behind this: - Infrequent usage - This often happens with words that we rarely use in our daily lives. - Stress and fatigue - When the brain is tired or we are under pressure to speak in front of someone, the process of memory retrieval slows down. - Aging - TOT experiences may occur more frequently with aging because the brain takes longer to integrate information.

The Kerala Story 2 is ready to hit the OTT platform. When and where to watch the social thriller?

The Kerala Story 2, starring Ulka Gupta, Aditi Bhatia, and Aishwarya Ojha, is now set to release online. When will The Kerala Story 2 release on OTT? After its theatrical release, The Kerala Story 2, starring Ulka Gupta, Aditi Bhatia, and Aishwarya Ojha, is set to release on OTT platforms two months ago. "The Kerala Story 2," starring Ulka Gupta, Aditi Bhatia, and Aishwarya Ojha, is now ready for a digital release two months after its theatrical release on February 27th. Produced by Vipul Amrutlal Shah under the banner of Sunshine Pictures and directed by Kamakhya Narayan Singh, the film faced several legal hurdles, a temporary hold, and a brief delay before reaching theaters. What is the film's story? It is billed as a spiritual sequel to the 2023 film "The Kerala Story." This film also tells a story based on the same theme, but its backdrop extends beyond Kerala. However, the sequel grossed less at the box office than the first film. When will The Kerala Story 2 hit the OTT platform? The film will be available to watch online on ZEE5 and its release date is May 1. The platform confirmed its digital premiere through an announcement on social media. The streamer also stated that the film will be available in Hindi, Telugu, Tamil, Malayalam, and Kannada. About 'The Kerala Story 2': 'The Kerala Story 2' is being described as a spiritual sequel of sorts to the 2023 blockbuster film 'The Kerala Story.' The first film starred Adah Sharma in the lead role and was directed by Sudipto Sen. It won the National Awards for Best Direction and Best Cinematography. While the story of the first film was based solely on Kerala, this new film depicts stories of forced religious conversions in Kerala as well as other states like Rajasthan and Madhya Pradesh. The film faced protests - The controversy started with the release of the film's trailer. The trailer faced severe criticism from a section of the society; this section argued that the story of the film could incite communal tension in Kerala.

A new 8-episode OTT series, the ultimate mystery thriller, became the number one hit on Netflix as soon as it arrived; it will fill your heart with fear.

A new web series has arrived on Netflix, reaching the number one spot immediately. The story and scenes will send shivers down your spine. The new web series has become the number one hit on Netflix. The 8-episode series is packed with suspense. The series received a 7.3 rating from IMDb. What happens when the very thing that fulfills a wish becomes the cause of death? A new web series has arrived on OTT that is sure to be heart-wrenching. This 8-episode horror-mystery thriller was recently released on Netflix. The series has been a huge hit with audiences ever since it debuted on OTT. The series has received strong ratings and has received praise from critics. The series even received a 7.3 rating from IMDb. The series tells the story of five children who, while having fun, contemplate fulfilling their desires, but death stands in their way. What is the story of the web series? The story revolves around an app that claims to fulfill the wishes of its users. The twist comes when a student dies after using the app. This leads to a series of deaths. Five school students try to dig deeper to find out information about the app, and the truth they uncover leaves them devastated. The web series we are talking about is the Korean drama "If Wishes Could Kill." Directed by Park Eun-seo, the web series stars Jeon So-young, Kang Mi-na, Baek Sun-ho, Hyun Woo-seok, and Lee Hyo-jae. The series was released on the OTT platform Netflix (If Wishes Could Kill On Netflix) on April 24th. It quickly became the No. 1 OTT platform. It surpassed several other top-rated series to reach the No. 1 spot on the Top 10 Trending list.

Little Dua's first outing, Dhurandhar actor Ranveer Singh took his daughter to a live show.

Dhurandhar actor Ranveer Singh and Deepika Padukone's daughter Dua attended her first live musical show in Mumbai. Ranveer and Deepika's daughter Dua attended the musical show. The "Dhurandhar 2" actor expressed his joy - the couple recently announced their second pregnancy. Deepika Padukone and Ranveer Singh took their one-and-a-half-year-old daughter Dua on her first outing. Amidst this happy period, the couple is thoroughly enjoying family time, and recently stepped out for a special occasion in their daughter Dua's life. "Dhurandhar" star Ranveer Singh was seen taking little Dua to her first live show at the Nita Mukesh Ambani Cultural Centre (NMACC) in Mumbai, where the "CoComelon Sing-A-Long LIVE" event was taking place. Ranveer Singh expressed his happiness - After the show, Ranveer expressed his joy, saying that this moment was very special for him, especially because it was Dua's first live show. A video is going viral on Ranveer Singh and Deepika's fan pages, in which the "Dhurandhar" actor is seen talking about this experience. He said, "This is extra special for us because this is our 'Dua Baby's' first show and I am so grateful to the NMACC team for bringing us such experiences from around the world and giving us the opportunity to create memories that will last a lifetime." Ranveer and Deepika announced their wedding plans in October 2018 and had a beautiful wedding in Italy a month later. On September 8, 2024, the couple welcomed their first child, daughter Dua. A little guest is coming soon - Last week, Deepika announced her second pregnancy with Ranveer Singh. The actress broke the news by sharing a personal post with her daughter Dua, which made the moment even more special. Deepika shared the news in a simple yet emotional way on Instagram. The post had a glimpse of her daughter Dua Singh Padukone, who was seen holding a pregnancy test. Ranveer Singh's work front- Ranveer Singh is currently enjoying his spy thriller 'Dhurandhar 2'. The film is creating a stir at the Indian box office as well as worldwide. He is joined by actors like Arjun Rampal, Sanjay Dutt, R Madhavan, Rakesh Bedi, Sara Arjun in this film.